भा वा अ शि प - वन उत्पादकता संस्थान, रांची

(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून)

प्रकृति एवं मिशन लाइफ के अंतर्गत पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम

24.08.23

विस्तृत प्रतिवेदन

भावाअशिप – वन उत्पादकता संस्थान , रांची के निदेशक डॉ. योगेश्वर मिश्रा के निर्देश एवं उप वन संरक्षक श्रीमती अंजना सुचिता तिर्की (भा. व. से) के मार्गदर्शन में संस्थान के एक दल श्री सुभाष चंदर वैज्ञानिक ई, श्री बी.डी.पंडित तकनिकी अधिकारी, श्री विनोद राम तकनिकी सहायक एवं श्री मोहित सतपथी द्वारा प्रकृति एवं मिशन लाइफ के अंतर्गत दिनांक 24.08.2023 को जवाहर नवोदय विद्यालय, पतरातू में पर्यावरण जागरूकता के साथ जैविक खाद निर्माण प्रदर्शनी एवं पौधा रोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमे 6 शिक्षक सहित लगभग 150 छात्र **- छात्राओं ने भाग लिया।**

आपने अध्यक्षीय संबोधन में विधालय के शिक्षक श्री विपिन कुमार ने संस्थान के दल, छात्रों एवं शिक्षकों का स्वागत किया एवं कार्यक्रम कि आवश्यकता से छात्रों को अवगत कराया।

श्री बी.डी.पंडित तकनीकी अधिकारी ने कार्यक्रम एवं संस्थान के क्रिया-कलापों से अवगत कराते हुए जवाहर नवोदय विधालय समिति एवं भारतीय वानिकी अनुसन्धान एवं शिक्षा परिषद्, देहरादून के समझौता ज्ञापन के उदेश्यों को बताया। पर्यावरण के प्रति जागरूक करते हुए उन्होंने बताया कि हवा के बिना जीवन काल कुछ मिनटों का होता है जो हवा जंगल के बिना संभव नही है। वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण, मृदा प्रदूषण, ध्वनी प्रदूषण आदि की चर्चा करते हुए उन्होंने आग्रह किया कि कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा को कम कर पर्यावरण को प्रदूषण से बचाया जा सकता है। जिसके लिए बड़ी मात्रा में वृक्षा रोपण करना होगा। जल संरक्षण, जल संचयन की चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि पानी की मांग के अनुरूप जल संसाधन की कमी की भरपाई जल का सीमित उपयोग से किया जा सकता हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री के मिशन लाइफ के सूत्रों की चर्चा की एवं ऊर्जा, जल, स्वास्थ्य, कचरा प्रबंधन के तरीकों को भी बताया ।

प्रकृति एवं मिशन लाइफ के अंतर्गत पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम

दिनांक 24.08.2023

आयोजित कार्यक्रम की झलकियाँ

पर्यावरण जागरूकता एवं मिशन लाइफ कि चर्चा करते हुए श्री सुभाष चंदर वैज्ञानिक ई ने मृदा प्रदूषण कम करने के लिए रसायनिक खाद पर निर्भरता कम करने की आपील की जिसके लिए जैविक खेती को एक उत्तम विकल्प बताया। उन्होंने कीटों के प्रकार, परागन, हरित क्रांति, श्वेत क्रांति आदि की चर्चा करते हुए उसके अनुरूप रासायनिक उपयोग को कम करने का आग्रह किया क्योकि खाद्य पदार्थो के लिए भारत आत्मनिर्भर हो चूका है। केंचुआ खाद निर्माण के तरीकों को प्रदर्शन के माध्यम से निर्माण के विभिन्न प्रक्रिया को भी समझाया। लाह कीट एवं मधुमक्खियों की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने बताया कि कीटों की संख्या कुल जीवों का 92 % से अधिक है। परागन के लिए कीट पतंगों का होना अनिवार्य है। कार्यक्रम को विनोद राम (तकनीकी सहायक) एवं मोहित सतपथी (बहु कार्य कर्मचारी) ने भी संबोधित किया।

पत्रकार श्री राजीव रंजन (दैनिक जागरण) ने कार्यक्रम की सराहना की एवं कार्यक्रम का सतत परिचालन का अनुरोध किया। शिक्षक श्री एस एन पाण्डेय, श्री यशवंत कुमार,श्री विपिन कुमार, श्रीमती मीरा सिन्हा, श्रीमती भावना ने भी संबोधित किया। छात्रों में ज्ञानेश्वरी, श्रृष्टि, अनामिका, रमी, स्वेता ,स्नेहा, प्रभान्त, शिवम् एवं अन्य ने उत्साह से चर्चा की। कार्यक्रम के आखिर में प्राचार्या श्रीमती मीना मुर्मू के द्वारा छात्रों के साथ पौधरोपण किया गया। प्राचार्या ने भी कार्यक्रम को आगे जारी रखने का आग्रह किया।

प्रकृति एवं मिशन लाइफ के अंतर्गत पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम

दिनांक 24.08.2023

आयोजित कार्यक्रम की झलकियाँ

नवोदय विद्यालय में पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम

पतरातू. पीटीपीएस स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय परिसर में मिशन लाइफ व प्रकृति कार्यक्रम के तहत पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया. यहां वनों के महत्व, पर्यावरण प्रदूषण के कारण, ओजोन परत के क्षरण के कारण व वैश्विक तपन पर चर्चा की गयी. मौके पर जैविक खाद निर्माण का प्रदर्शन भी किया गया. कार्यक्रम में भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद वन उत्पादकता संस्थान, रांची के निदेशक डॉ योगेश मिश्रा, उप वन संरक्षक अंजना सुचिता तिर्की, वैज्ञानिक सुभाष चंदर, तकनीकी अधिकारी बीडी पंडित, तकनीकी सहायक विनोद राम, मोहित सत्पथी के दल ने लोगों को जागरूक किया. मौके पर प्राचार्या मीना मुर्मू, शिक्षक विपिन कुमार, शैलेंद्रनाथ पांडेय, यशवंत कुमार, मीरा सिन्हा, भावना, दुर्गेश कुमारी उपस्थित थे.

प्रकृति करती है हमारे भविष्य का निर्धारण : बीडी पंडित

वर्मी कंपोस्ट बनाने की जानकारी देते विशेषज्ञ ● जागरण

संवाद सूत्र, पतरातू वैली (रामगढ़): मिशन लाइफ एवं प्रकृति कार्यक्रम के अंतर्गत गुरुवार को जवाहर नवोदय विद्यालय पतरातू में पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद- वन उत्पादकता संस्थान रांची के निदेशक योगेश्वर मिश्रा के निर्देशन व उप वन संरक्षक अंजना सुचिता तिर्की के निर्देशन में कार्यक्रम संपन्न कराया गया। इस मौके पर वैज्ञानिक सुभाष चंद्र, तकनीकी अधिकारी बीडी पंडित सहायक विनोद राम व मोहित सतपति मौजूद थे। कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों द्वारा जीवन में वनों के महत्व, पर्यावरण प्रदूषण के कारण, ओजोन परत के क्षरण के कारण वैश्विक तपन पर चर्चा की गई। अपने संबोधन में विशेषज्ञ बीडी पंडित ने कहा कि प्रकृति ही हमारे भविष्य का निर्धारण करती है। ऐसे में हम प्रकृति को जितना संरक्षित व शुद्ध रखेंगे हमारा भविष्य भी उतना ही सुंदर बन सकेगा।कार्यक्रम के पश्चात विद्यालय परिसर में पौधरोपण किया गया। वहीं जैविक खाद के निर्माण व इसके लाभ की जानकारी दी गई।